हिन्दी

Set-2 : 2018
801 (HB)

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] *[पूर्णांक : 70*

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

1. (क) निम्नलिखित कथनों में से कोई **एक** कथन सही है, उसे पहचान कर लिखिए : 1

(i) इलाचन्द्र जोशी एकांकीकार के रूप में प्रसिद्ध हैं।

(ii) 'झूठा सच' के लेखक यशपाल हैं।

(iii) 'दैनिकी' प्रसिद्ध कहानी संग्रह है।

(iv) राहुल सांकृत्यायन लब्धप्रतिष्ठ आलोचनाकार हैं।

(ख) निम्नलिखित में से किसी **एक** रचना के लेखक का नाम लिखिए : 1

(i) 'विचार वीथी'

(ii) 'एक घूँट'

(iii) 'वट पीपल'

(iv) 'उनका बचपन यूँ बीता'

(ग) 'क्या भूलूँ क्या याद करूँ' किस विधा की रचना है? 1

(घ) किसी एक रिपोर्ताज लेखक का नाम लिखिए। 1

(ङ) किसी एक प्रमुख संस्मरण लेखक का नामोल्लेख कीजिए। 1

2. (क) रीतिकाल की प्रमुख दो प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए। 2

(ख) प्रगतिवादी साहित्य की किन्हीं दो प्रवृत्तियों का नाम लिखिए। 2

(ग) निम्नलिखित रचनाओं में से किसी एक रचना के लेखक का नाम लिखिए : 1

(i) 'युगपथ'

(ii) 'अग्निरेखा'

(iii) 'मिलन'

(iv) 'हिमकिरीटिनी'

3. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी **एक** गद्यांश के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

2+2+2=6

(क) ईर्ष्या का यही अनोखा वरदान है। जिस मनुष्य के हृदय में ईर्ष्या घर बना लेती है, वह उन चीजों से आनन्द नहीं उठाता, जो उसके पास मौजूद हैं, बल्कि उन वस्तुओं से दुख उठाता है, जो दूसरों के पास हैं। वह अपनी तुलना दूसरों के साथ करता है और इस तुलना में अपने पक्ष के सभी अभाव उसके हृदय पर दंश मारते रहते हैं। दंश के इस दाह को भोगना कोई अच्छी बात नहीं है। मगर ईर्ष्यालु मनुष्य करे भी तो क्या? आदत से लाचार होकर उसे यह वेदना भोगनी पड़ती है।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ii) रेखांकित अंशों की व्याख्या कीजिए।

(iii) ईर्ष्या की किन विशेषताओं का उल्लेख किया गया है?

(ख) हिन्दी में प्रगतिशील साहित्य का निर्माण हो रहा है। उसके निर्माता यह समझ रहे हैं कि उनके साहित्य में भविष्य का गौरव निहित है। पर कुछ ही समय के बाद उनका यह साहित्य भी अतीत का स्मारक हो जाएगा और आज जो तरुण हैं वही वृद्ध होकर अतीत के गौरव का स्वप्न देखेंगे। उनके स्थान पर तरुणों का फिर दूसरा दल आ जाएगा, जो भविष्य का स्वप्न देखेगा। दोनों के स्वप्न सुखद होते हैं, क्योंकि दूर के ढोल सुहावने होते हैं।

Gyansindhu Coaching Classes

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सारांश लिखिए।

(ii) रेखांकित अंशों की व्याख्या कीजिए।

(iii) लेखक के "दूर के ढोल सुहावने होते हैं" कथन का क्या आशय है?

4. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी **एक** की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए तथा काव्य-सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए : 1+4+1=6

(क) लखन लखेउ रघुबंसमनि ताकेउ हर कोदंडु।
पुलकि गात बोले बचन चरन चापि ब्रह्मांडु।।
दिसिकुंजरहु कमठ अहि कोला,
धरहु धरनि धरि धीर न डोला।
रामु चहहिं संकर धनु तोरा,
होहु सजग सुनि आयसु मोरा।।
चाप समीप रामु जब आए,
नर नारिन्ह सुर सुकृत मनाए।।
सब कर संसउ अरु अग्यानू,
मंद महीपन्ह कर अभिमानू।।
भृगुपति केरि गरब गरुआई,
सुर मुनिबरन्ह केरि कदराई।।
सिय कर सोचु जनक पछितावा,
रानिन्ह कर दारुन दुख दावा।।
संभुचाप बड़ बोहितु पाई,
चढ़े जाइ सब संगु बनाई।।

(ख) पहन ले नर-मुंड माला,
उठ स्वमुंड सुमेरु कर ले,
भूमि सा तू पहन बाना आज धानी,
प्राण तेरे साथ हैं, उठ री जवानी।
द्वार बलि का खोल
चल भूडोल कर दें
एक हिम-गिरि एक सिर,
का मोल कर दें,
मसलकर अपने

इरादों सी, उठाकर
दो हथेली हैं कि
पृथ्वी गोल कर दें?
रक्त है? या है नसों में क्षुद्र पानी?
जाँचकर, तू सीस दे-देकर जवानी?

5. (क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी **एक** लेखक का जीवन-परिचय दीजिए और उनकी किसी एक रचना का नाम लिखिए : 2+1=3
   (i) जयशंकर प्रसाद
   (ii) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
   (iii) डॉ. भगवतशरण उपाध्याय

   (ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी **एक** कवि का जीवन-परिचय दीजिए तथा उनकी एक रचना का नाम लिखिए : 2+1=3
   (i) सूरदास
   (ii) बिहारीलाल
   (iii) महादेवी वर्मा

6. निम्नलिखित का सन्दर्भ-सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 1+3=4

तत्रासीत् एकः महान् कक्षः यस्मिन् द्वारं समुन्नतम् आसीत्। तत्रापि कपाटो स्वचालितौ अनावृत्तौ च अभवताम्। तस्मिन् विस्तीर्णे भवने स्वयंचालित चित्रपट-कार्यक्रमः प्रचलन आसीत्। एको मन्दो ध्वनिः अश्रूयत। तस्मिन् तस्य लोकस्य कथा एवं वर्णिता।

अथवा

मानं हित्वा प्रियो भवति,
क्रोधं हित्वा न शोचति।
कामं हित्वार्थवान् भवति,
लोभं हित्वा सुखी भवेत्।।

Gyansindhu Coaching Classes

7. (क) अपनी पाठ्य-पुस्तक से कण्ठस्थ किया हुआ एक श्लोक लिखिए जो इस प्रश्नपत्र में न आया हो। 2

   (ख) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर संस्कृत में दीजिए : 1+1=2
   (i) भारतीयसंस्कृतेः कः दिव्यः संदेशः?
   (ii) कलहः केन वर्धते?
   (iii) पदेन बिना किं दूरं याति?
   (iv) अक्षलेन्द्रः कः आसीत?
   (v) स्वर्णस्य किं मुख्यं दुःखम् अस्ति?

8. (क) 'हास्य' **अथवा** 'करुण' रस की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। 2
   (ख) 'उपमा' **अथवा** 'रूपक' अलंकार का लक्षण और उदाहरण दीजिए। 2
   (ग) 'रोला' **अथवा** 'सोरठा' की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। 2

9. (क) निम्नलिखित उपसर्गों में से किन्हीं **तीन** के मेल से **एक-एक** शब्द बनाइए : 1+1+1=3

(i) अन (ii) अभि (iii) अनु

(iv) सह (v) निर्

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रत्ययों का प्रयोग करके **एक-एक** शब्द बनाइए : 1 + 1 = 2

(i) त्व (ii) ता (iii) पन

(iv) हट (v) वट

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** का समास-विग्रह कीजिए तथा समास का नाम लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) अन्न-जल (ii) गंगाधर

(iii) त्रिफला (iv) सत्पुरुष

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** के तत्सम रूप लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) पत्थर (ii) बेल

(iii) बछड़ा (iv) कुआँ

(ङ) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** शब्दों के **दो-दो** पर्यायवाची शब्द लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) पानी (ii) कमल

(iii) सूर्य (iv) पृथ्वी

10. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** में सन्धि-विच्छेद कीजिए तथा सन्धि का नाम लिखिए : 1+1=2

(i) प्रत्युत्तरम् (ii) महौजः

(iii) सदैव (iv) इत्यादिः

(ख) निम्नलिखित शब्दों के षष्ठी विभक्ति बहुवचन के रूप लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) नदी **अथवा** मधु

(ii) मति **अथवा** फल

(ग) निम्नलिखित में से किसी **एक** की धातु, लकार, पुरुष तथा वचन लिखिए : 2

(i) पठन्तु (ii) हसेत् (iii) पक्ष्यामि

(घ) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं **दो** के संस्कृत में अनुवाद कीजिए : 2

(i) भारतीय संस्कृति उदग्र और गतिशील है।

(ii) शिष्य ने गुरु से प्रश्न किया।

(iii) दान से कीर्ति बढ़ती है।

(iv) वे लड़के दिन में कहाँ पढ़ेंगे?

11. निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** विषय पर निबन्ध लिखिए : 6

(i) ग्राम्य स्वच्छता

(ii) विद्यालय में अनुशासन का महत्त्व

(iii) मेरा प्रिय पर्व

(iv) वृक्षारोपण

Solved By-Arunesh Sir

12. अपने पठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी **एक प्रश्न** का उत्तर लिखिए : 3

(क) (i) 'ज्योति-जवाहर' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

(ii) 'ज्योति-ज्वाहर' खण्डकाव्य के आधार पर उसके प्रमुख पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ख) (i) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य का कथा-सार प्रस्तुत कीजिए।

(ii) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के मुख्य पात्र के चरित्र की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(ग) (i) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

(ii) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के प्रधान पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(घ) (i) 'मेवाड़-मुकुट' के अरावली सर्ग की कथा प्रस्तुत कीजिए।

(ii) 'मेवाड़-मुकुट' खण्डकाव्य के आधार पर किसी नारी पात्र की चारित्रिक विशेषताओं को लिखिए।

(ङ) (i) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

(ii) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के आधार पर चन्द्रशेखर 'आजाद' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(च) (i) 'तुमुल' खण्डकाव्य के आधार पर 'मेघनाद अभियान' सर्ग की कथा लिखिए।

(ii) 'तुमुल' खण्डकाव्य के मुख्य पात्र का चरित्रांकन कीजिए।

(छ) (i) 'कर्मवीर भरत' के 'राम-भरत-मिलन' सर्ग की कथा प्रस्तुत कीजिए।

(ii) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के आधार पर भरत के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए।

(ज) (i) 'कर्ण' खण्डकाव्य के चतुर्थ सर्ग की कथा लिखिए।

(ii) 'कर्ण' खण्डकाव्य के आधार पर कर्ण का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(झ) (i) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

(ii) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के प्रमुख पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए।

उत्तरमाला

1. (क) (ii) (ख) (i) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (ii) जयशंकर प्रसाद (iii) रामधारी सिंह 'दिनकर' (iv) जय प्रकाश भारती (ग) आत्मकथा (घ) रांगेय राघव (ङ) रामवृक्ष बेनीपुरी

2. (क) (i) रीति या लक्षण ग्रन्थों की रचना (ii) शृंगार रस की प्रधानता।
(ख) (i) साम्यवादी विचारधारा से प्रभावित (ii) मानवमात्र के कल्याण के लिए मानवतावादी दृष्टिकोण

(v) मिलावट

(ग) (i) अन्न और जल (द्वन्द्व समास)

(ii) गंगा को धारण किया है जिसने (बहुव्रीहि)

(iii) तीन फलों का समाहार (द्विगु समास)

(iv) सत् (अच्छा) है जो पुरुष (कर्मधारय समास)

(घ) (i) प्रस्तर (ii) वत्स (iii) बिल्व (iv) कूप

(ङ) (i) जल, तोय (ii) पंकज, नीरज (iii) दिनकर, मार्तण्ड (iv) धरा, धरती।

10. (क) (i) प्रति + उत्तरम् (यण् सन्धि) (ii) महा + ओजः (वृद्धि सन्धि)

(iii) सदा + एव (वृद्धि सन्धि) (iv) इति + आदि (यण् सन्धि)

(ख) (i) नदीनाम्, मधूनाम् (ii) मतीनाम्, फलानाम्

(ग) (i) पठ् धातु, लोट् लक, प्रथम पुरुष, बहुवचन।

(ii) हस् धातु, विधिलिङ् लकार, प्रथम पुरुष, एकवचन।

(iii) पच् धातु, लृट् लकार, उत्तम पुरुष, एकवचन।